दैनिक भास्कर
बिलासपुर भास्कर 01-07-2025

रिपोर्ट: मेंटल हॉस्पिटल की हालत खराब, लेट आते हैं डॉक्टर-स्टाफ

जनहित याचिका पर सुनवाई, कोर्ट कमिश्नर ने सौंपी रिपोर्ट

लीगलरिपोर्टर | बिलासपुर

प्रदेश के एकमात्र बिलासपुर के सेंदरी स्थित राज्य मानसिक अस्पताल की स्थिति पर कोर्ट कमिश्नर ने सोमवार को रिपोर्ट पेश की। बताया कि अस्पताल की हालत बेहद खराब है। डॉक्टर समय पर नहीं आते। हर तरफ गंदगी पसरी है। दीवारें गंदी हैं। रंगरोगन कराने की जरूरत है। ओपीडी में करीब 150 मरीज आते हैं, लेकिन टोकन सिस्टम नहीं होने से अव्यवस्था का माहौल होता है। सोमवार को सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने स्वास्थ्य सचिव को 27 जून की रिपोर्ट पर अपना शपथ पत्र देने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 16 जुलाई को होगी।

जनहित याचिका पर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने अधिवक्ता ऋषि राहुल सोनी को कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करते हुए अस्पताल का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने को कहा था। सोमवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट कमिश्नर ने अपनी रिपोर्ट सौंपी। बताया कि 23 मई और 6 जून को दो बार अस्पताल का निरीक्षण किया। दौरे के दौरान उन्होंने पाया कि अस्पताल में अधीक्षक, मनोचिकित्सक, क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट, मेडिकल ऑफिसर और वार्ड स्टाफ सहित पर्याप्त नियुक्तियां की गई हैं, लेकिन डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ समय पर ड्यूटी पर नहीं आते। अधिकांश कर्मचारी अपनी बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज नहीं कराते, जिससे अनुशासन की भारी कमी नजर आई।

विभाग के हलफनामे में विरोधाभास

राज्य सरकार के मुख्य सचिव द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र में डॉक्टरों की नियुक्तियों का जिक्र किया गया था, जिसे हाई कोर्ट ने सही पाया, लेकिन कोर्ट कमिश्नर ने पाया कि डॉक्टर ड्यूटी के प्रति गंभीर नहीं हैं। मेडिकल ऑफिसर्स की नियुक्ति का जिक्र शपथ पत्र में नहीं था, जबकि मौके पर 8 मेडिकल ऑफिसर्स कार्यरत पाए गए।

जर्जर भवन और सुविधाओं का अभाव

दूसरे दौरे में आयुक्त ने अस्पताल की हालत देखी। रिपोर्ट में बताया कि अस्पताल भवन जर्जर हालत में है। दीवारें धूल और गंदगी से भरी हैं। बाथरूम गंदे हैं। डिस्प्ले बोर्ड अस्पष्ट हैं और वाटर कूलर भी साफ नहीं हैं। सबसे गंभीर बात यह रही कि अस्पताल में सीटी स्कैन जैसी जरूरी सुविधा तक उपलब्ध नहीं है।

150 मरीज, नहीं है टोकन सिस्टम

कोर्ट कमिश्नर की रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि हर दिन करीब 150 नए मरीज इलाज के लिए आते हैं, लेकिन रजिस्ट्रेशन के लिए कोई टोकन सिस्टम नहीं है। इससे काउंटर पर भीड़ और अव्यवस्था की स्थिति बनी रहती है।